

चीन

वह प्रिंसिपल जिसने बत्तियाँ जलाईं

चीन के एक ग़रीब पहाड़ी ज़िले में झांग गुइमेई ने लड़कियों के लिए मुफ़्त स्कूल बनाया। 1,800 से ज़्यादा विश्वविद्यालय पहुँचीं।

कहाँ हुआपिंग

कौन झांग गुइमेई, एक शिक्षिका जिन्होंने युन्नान के हुआपिंग में लड़कियों के लिए मुफ़्त हाई स्कूल बनाया

कब 1996 से 2020

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

झांग गुइमेई चीन के युन्नान प्रांत के एक ग़रीब पहाड़ी ज़िले हुआपिंग में पढ़ाती थीं। उन्हें ख़ाली डेस्क दिखते रहते थे। लड़कियाँ स्कूल पूरा करने से पहले ग़ायब हो रही थीं। जब उन्होंने कारण पूछा, तो पता चला कि कुछ को काम पर लगा दिया गया था और कुछ की कम उम्र में शादी कर दी गई थी।

एक घर-भेंट में उन्हें सड़क के किनारे 13 साल की एक लड़की मिली। वह रोते हुए बोली, “मैं पढ़ना चाहती हूँ, मैं शादी नहीं करना चाहती।” उसके माता-पिता दहेज के 30,000 युआन के लिए उसकी शादी करना चाहते थे। झांग ने उसकी पढ़ाई का ख़र्च उठाने की पेशकश की। लड़की की माँ ने उन्हें धमकी दी, और झांग ने हार मान ली। उन्होंने उस लड़की को फिर कभी नहीं देखा।

> एक लड़की अगली तीन पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है।
>
> झांग गुइमेई, CGTN के हवाले से

बिना फ़ीस का स्कूल

झांग ने लड़कियों के लिए एक मुफ़्त हाई स्कूल बनाने का फ़ैसला किया। 2002 से 2007 के बीच उन्होंने दान माँगा, पर बहुत लोगों ने मना कर दिया। वे सिर्फ़ लगभग 10,000 युआन जुटा पाईं।

2007 में बीजिंग में एक राष्ट्रीय बैठक में एक पत्रकार ने उनके घिसे कपड़े देखे और उनकी कहानी पूछी। ख़बर फैली। स्थानीय सरकारों ने उन्हें दस लाख युआन दिए। 2008 में हुआपिंग गर्ल्स हाई स्कूल खुला, जिसमें न पढ़ाई की फ़ीस थी, न रहने की।

1,804

12 सालों में ग़रीब इलाक़ों की लड़कियाँ विश्वविद्यालय पहुँचीं, Xinhua के अनुसार

110,000

छात्राओं के घर जाने में झांग का तय किया गया किलोमीटर, रिपोर्टों के अनुसार

100%

2011 में पहली स्नातक कक्षा की कॉलेज प्रवेश परीक्षा में सफलता

पाँच बजे जलती बत्तियाँ

स्कूल में पहले साल 16 शिक्षक और 90 छात्राएँ थीं। कोई न्यूनतम अंक तय नहीं थे। जो भी लड़की पढ़ना चाहती, उसका स्वागत था। हालात कठिन थे, और छह महीनों में नौ शिक्षक छोड़ गए। झांग और बाक़ी शिक्षक टिके रहे।

CGTN के अनुसार झांग बीमार हैं, उन्हें गठिया और कमज़ोर हड्डियाँ हैं। फिर भी वे सुबह लगभग 5 बजे उठकर स्कूल की बत्तियाँ जलाती हैं। “कई लड़कियाँ शर्मीली होती हैं,” उन्होंने कहा। बत्तियाँ जली हों तो वे पढ़ने आते हुए ज़्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं।

एक पूर्व छात्रा, झोउ युनली, शिक्षिका बनीं। जब उन्होंने सुना कि उनके पुराने स्कूल में गणित के शिक्षक की कमी है, तो उन्होंने नौकरी छोड़ दी और लौट आईं। “स्कूल न होता तो मैं कुछ भी न होती,” उन्होंने कहा।

कब क्या हुआ

- **1996** झांग हुआपिंग ज़िले में पढ़ाना शुरू करती हैं।
- **2007** एक पत्रकार उनकी कहानी सुनता है। स्थानीय सरकारें उन्हें दस लाख युआन देती हैं।
- **2008** हुआपिंग गर्ल्स हाई स्कूल बिना फ़ीस के खुलता है।
- **2011** पहली स्नातक कक्षा की सभी छात्राएँ कॉलेज प्रवेश परीक्षा पास करती हैं।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

स्कूल ने कोई न्यूनतम अंक तय नहीं किए। वह लड़की से शुरू हुआ, उसके परीक्षा अंकों से नहीं।

पहले स्नातकों में से लगभग सभी पिछले साल प्रवेश परीक्षा में फ़ेल हुई थीं। पढ़ाई और देखभाल ने फ़र्क़ डाला।

हमारी राय

झांग गुइमेई ने ग़रीबी को यह तय नहीं करने दिया कि कौन-सी लड़कियाँ स्कूल में रहेंगी।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 पछतावे को कर्म में बदलिए

वे उस 13 साल की लड़की को नहीं बचा सकीं, और उन्होंने स्कूल बनाने का फ़ैसला किया।

यह आज़माएँ: किसी एक पछतावे के बारे में सोचिए। पूछिए कि आप क्या बना सकते हैं ताकि वह कम हो।

2 “ना” के बाद भी माँगते रहिए

उन्होंने सालों दान माँगा और सिर्फ़ लगभग 10,000 युआन जुटा पाईं।

यह आज़माएँ: इस हफ़्ते किसी ऐसी चीज़ के लिए एक और अनुरोध कीजिए जिसमें आप विश्वास करते हैं।

3 लोगों का जैसे हैं वैसे स्वागत कीजिए

स्कूल ने कोई न्यूनतम अंक तय नहीं किए। जो भी लड़की पढ़ना चाहती, उसका स्वागत था।

यह आज़माएँ: कोई एक बाधा हटाइए जो लोगों को आपके समूह से जुड़ने से रोकती है।

4 छोटी देखभाल मायने रखती है

उन्होंने जल्दी बत्तियाँ जलाईं ताकि शर्मीली लड़कियाँ सुरक्षित महसूस करें।

यह आज़माएँ: आज एक छोटा काम कीजिए जिससे किसी को सुरक्षित महसूस हो।

साथ ले जाने वाली एक बात

जल्दी जलाई गई एक बत्ती किसी लड़की को बता सकती है कि वह यहाँ की है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

CGTN (Xinhua feature)
Teacher helps 1,084 girls change their destiny (2020)

The World of Chinese
Education for Hope (2020)

Wikipedia
Zhang Guimei

तथ्य-जाँच नोट: अंग्रेज़ी में झांग गुइमेई के बारे में ज़्यादातर जो लिखा गया है वह चीनी सरकारी मीडिया (Xinhua, CCTV, CGTN, China Daily) से आता है या उसे दोहराता है, इसलिए ब्योरों की जाँच स्वतंत्र रिपोर्टिंग से नहीं की जा सकी; South China Morning Post का पन्ना नहीं खुल सका (403)। खोले गए तीनों स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं: 2008 में झांग द्वारा हुआपिंग में स्थापित लड़कियों का एक मुफ़्त हाई स्कूल। स्नातक: CGTN कहता है कि स्कूल के पहले 12 सालों में 1,804 लड़कियाँ विश्वविद्यालय पहुँचीं (यही आँकड़ा Wikipedia में है); The World of

Chinese, जुलाई 2020 में, 1,600 से ज़्यादा कहता है; कहानी 1,804 लेती है और उसे Xinhua का बताती है। घर-भेंट: CGTN कहता है कि उन्होंने 110,000 किलोमीटर से ज़्यादा की यात्रा की और कम से कम 1,500 छात्राओं की मदद की; The World of Chinese कहता है 110,000 किलोमीटर, 1,300 से ज़्यादा छात्राओं से मिलने के लिए; कहानी सिर्फ़ दूरी लेती है। 13 साल की लड़की, 30,000 युआन का दहेज, माँ की धमकी और “मैं पढ़ना चाहती हूँ, मैं शादी नहीं करना चाहती” सिर्फ़ CGTN से हैं। 2002 से 2007 के बीच लगभग 10,000 युआन जुटाना Wikipedia और The World of Chinese में है। बीजिंग की 2007 की बैठक: The World of Chinese कहता है कि वे राष्ट्रीय जन कांग्रेस के लिए चुनी गई थीं, जबकि Wikipedia कहता है कि वे कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस की प्रतिनिधि थीं; कहानी सिर्फ़ “एक राष्ट्रीय बैठक” कहती है। जिस पत्रकार ने उनके घिसे कपड़े देखे, और लिजियांग व हुआपिंग ज़िले से मिले दस लाख युआन, The World of Chinese (Xinhua का हवाला देकर) और Wikipedia में हैं। पहला साल (16 शिक्षक, 90 छात्राएँ, कोई न्यूनतम अंक नहीं, छह महीनों में नौ शिक्षकों का छोड़ना) The World of Chinese से है। 2011 में पहली स्नातक कक्षा का 100 प्रतिशत पास होना, और यह कि उनमें से लगभग सभी पिछले साल परीक्षा में फ़ेल हुई थीं, CGTN से है। उनकी बीमारी: CGTN रूमेटॉइड आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस बताता है; Wikipedia 23 बीमारियाँ कहता है; कहानी “गठिया और कमज़ोर हड्डियाँ” कहती है। सुबह 5 बजे उठकर बत्तियाँ जलाना, और शर्मीली लड़कियों के बारे में उनके शब्द, CGTN से हैं। झोउ युनली की कहानी और उद्धरण CGTN से हैं। उद्धरण “एक लड़की अगली तीन पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है” CGTN और Wikipedia में है। 2020 के बाद के घटनाक्रम की जाँच नहीं की गई। पिन हुआपिंग दिखाता है। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।